बी.सी. की प्रासिक्यूशन सर्विस (फौजदारी मुकदमा चलाने वाली सेवा) की भूमिका

छानबीन

- जब किसी संभाव्य अपराध की रिपोर्ट की जाती है या उसकी पहचान की जाती है, तो पुलिस छानबीन करेगी और निर्णय लेगी कि क्या घटना को बी.सी की प्रासिक्यूशन सर्विस के क्राउन काउंसल (सरकारी वकील) को भेजना न्यायसंगत है।
- ब्रिटिश कोलंबिया में, प्रासिक्यूशन पक्ष के वकील फैसला करते हैं कि फौजदारी मुकदमा चलाया जाएगा या नहीं। क्राउन काउंसल अपराधों की छानबीन नहीं करते। और न ही व्यक्तिगत जांच मामलों में पुलिस पर उनका अधिकार होता है।

आरोपों का निर्धारण

- फौजदारी के आरोप लगाए जाएं या नहीं, यह तय करने के लिए दो–भाग वाले परीक्षण का प्रयोग किया जाता हैः सबसे पहले, पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर अपराध सिद्ध होने की पर्याप्त संभावना होनी चाहिए, और दूसरा, मुकदमा जनहित में आवश्यक हो।
- क्राउन काउंसल निर्धारण करता है कि आरोप लगाए जाएं या नहीं और किसके खिलाफ़। क्राउन काउंसल निर्णय ले सकता है कि कोई आरोप नहीं लगाए जाएंगे, आरोप लगाए जाएंगे, अथवा न्यायालय में जाने के बजाए आरोपी व्यक्ति को किसी वैकल्पिक उपाय कार्यक्रम में रेफर किया जाना चाहिए।
- क्राउन काउंसल की नीति नियम–पुस्तिका (क्राउन काउंसल पालिसी मैन्यूअल) भी आरोप निर्धारण संबंधी निर्णय लेने में प्रासिक्यूशन पक्ष के वकीलों का मार्गदर्शन करती है।
- जब आरोप निर्धारण का कार्य कर लिया जाता है, तो एक नई प्रासिक्यूशन फाइल तैयार की जाती है, जिसमें एक या अधिक आरोपी शामिल हो सकते हैं, अथवा एक या अधिक आरोप हो सकते हैं।
- एक इन्फर्मेशन (आरोप दस्तावेज़) की शपथ के जरिए औपचारिक न्यायालय प्रक्रिया आरंभ की जाती है।

मुकदमा और अपीलें

- क्राउन काउंसल हर स्तर के न्यायालय में मुकदमा और अपील संचालित करते हैंः बी.सी. के प्रोविंशल कोर्ट में, सुप्रीम कोर्ट में, बी.सी. के अपील कोर्ट में तथा सुप्रीम कोर्ट ऑफ कैनेडा में।
- क्राउन काउंसल (सरकारी वकील) ऐसे वकील हैं जो संपूर्ण समाज की ओर से वादी की भूमिका निभाते हैं।
- हालांकि प्रासिक्यूशन पक्ष के वकीलों की एक जिम्मेदारी पीड़ितों को न्याय प्रक्रिया के बारे में जानकारी से युक्त रखना है, लेकिन वे अपराध के शिकार पीड़ितों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।
- क्राउन काउंसल का दायित्व यह नहीं है कि वह हर हाल में अपराध सिद्ध करेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि सुनवाई की प्रक्रिया सभी के लिए निष्पक्ष हो, यह कि साक्ष्य भली–भांति और सटीक रूप से प्रस्तुत किए जाएं, और न्याय प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा बनाए रखी जाए।

सज़ा का आदेश

- यदि आरोपी अपराध स्वीकार कर लेता है अथवा सुनवाई के बाद अपराधी पाया जाता है, तो उसे सज़ा का आदेश सुनाया जाएगा।
- सज़ा की सिफारिश करने की जिम्मेदारी क्राउन काउंसल की होती है। सज़ा के बारे में अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा लिया जाता है।
- सज़ा के बाद की जाने वाली समीक्षाओं, आवेदनों, याचिकाओं और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के फलस्वरूप, किसी बंद हो चुकी फाइल से जुड़े कुछ मामलों को फिर से देखा जा सकता है।

क्रिमनल जस्टिस ब्रांच का विज़नः
निर्भय, निष्पक्ष और दक्ष – एक अभियोजन सेवा जिसे जनता का विश्वास हासिल है
www.ag.gov.bc.ca/prosecution-service/

British Columbia | Ministry of Justice

बी.सी. की अभियोजन सेवा (प्रासिक्यूशन सर्विस) की भूमिका

फौजदारी न्याय प्रक्रिया

- कैनेडा में, न्याय के प्रशासन हेतु प्रोविंस और टेरिटरी जिम्मेदार होते हैं।
- ब्रिटिश कोलंबिया में कैनेडा की फौजदारी संहिता और प्रोविंस के विनियामक उल्लंघनों के तहत उत्पन्न होने वाले सभी अपराधों और अपीलों में, प्रोविंशल क्राउन काउंसल द्वारा अभियोग चलाया जाता है। संघीय कानूनों के तहत कुछ विशेष अपराधों के खिलाफ़, जिनमें ड्रग और आयकर के आरोप शामिल हैं, अभियोग चलाने के लिए संघीय अभियोजन सेवा जिम्मेदार है।
- हालांकि क्रिमिनल जस्टिस ब्रांच (फौजदारी न्याय शाखा), न्याय मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ जस्टिस) का भाग है, तथापि अभियोजन कार्य को सरकार से पर्याप्त अलग रखा गया है, ताकि किसी वास्तविक या महसूस किए जाने वाले अनुचित दबाव की संभावना से बचा जा सके।
- असिस्टन्ट डेप्यूटी अटर्नी जनरल (ADAG) अभियोजन सेवा व फौजदारी न्याय शाखा के मुखिया होते हैं। असिस्टन्ट डेप्यूटी अटर्नी जनरल को सभी फौजदारी मुकदमे चलाने व निगरानी का अधिकार होता है।
- क्राउन काउंसल अधिनियम में क्राउन काउंसल, ब्रांच तथा असिस्टन्ट डेप्यूटी अटर्नी जनरल के कार्य एवं जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। इसमें अटर्नी जनरल, डेप्यूटी अटर्नी जनरल तथा ब्रांच के बीच संबंध भी तय किया गया है।

छानबीन

पुलिस संभावित अपराध की छानबीन करती है। यदि न्यायसंगत हो, तो पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां आरोप निर्धारित करने के लिए क्राउन को एक क्राउन काउंसल के लिए रिपोर्ट (आरसीसी) प्रस्तुत करती हैं।

आरोप का निर्धारण

क्राउन को आरसीसी मिलती है – जिस पर फिर आरोप निर्धारण किया जाता है:

- क्या अपराधी पाए जाने की पर्याप्त संभावना है?
- क्या अभियोजन की जनहित में आवश्यकता है?

क्राउन काउंसल निम्नलिखित कार्य कर सकता है:

- आरोप निर्धारित करना;
- आरोप निर्धारित न करना;
- उस व्यक्ति को किसी वैकल्पिक उपाय कार्यक्रम में रेफर करना; अथवा
- अधिक जानकारी के लिए मामले को छानबीन एजेंसी को वापस भेजना।

अभियोजन

यदि आरोप तय कर दिए जाते हैं, तो क्राउन काउंसल समुदाय की ओर से आरोपी के खिलाफ़ अभियोजन चलाता है।

सुनवाई की प्रक्रिया प्रोविंशियल कोर्ट अथवा बीसी के सुप्रीम कोर्ट में चलाई जा सकती है।

सुनवाई से तय होगा कि आरोपी:

- दोषी नहीं पाया गया है; अथवा
- दोषी पाया गया है।

अपीलें

न्यायाधीश या जूरी का निर्णय अंतिम होता है। तथापि, उनके निर्णय के खिलाफ़ अपील की जा सकती है। अपील एक औपचारिक अनुरोध है जो यह मानकर निर्णय को बदलने के लिए किया जाता है कि सुनवाई के किसी महत्वपूर्ण पहलू में कोई गलती हुई है। अपीलें निम्नलिखित के खिलाफ़ शुरू की जा सकती हैं:

- दोष सिद्ध होना और/अथवा सजा मिलना
- बरी होना।

सजा सुनाना

यदि सुनवाई के बाद आरोपी को अपराधी पाया जाता है, या वह अपराध स्वीकार कर लेता है, तो उसे सज़ा दी जाएगी।